आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :347 पृष्ठ -4 दिनांक 21 दिसम्बर 2024 दिन शनिवार

उत्तराखंड सरकार प्रदेश की महिलाओं के लिए रोजगार का बड़ा अवसर प्रदान किया

6,559 आंगनबाड़ी पदों पर जल्द होगी भर्ती

उत्तराखंड सरकार ने प्रदेश की महिलाओं के लिए रोजगार का बड़ा अवसर प्रदान किया है. राज्य में महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के 6559 पदों पर जल्द भर्ती की जाएगी. इनमें 374 पद आंग. नबाड़ी कार्यकर्ताओं के हैं, जबकि 6185 पद सहायिकाओं के लिए आरक्षित हैं. महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने गुरुवार को अधिकारियों के साथ बैठक कर इन पदों पर भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि इन पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी और अभ्यर्थियों को आवेदन करने के लिए 30 दिन का समय दिया जाएगा.रेखा आर्या ने बताया कि हाल ही में मंत्रिमंडल ने आंगनबाड़ी भर्ती

नियमावली में संशोधन किया है, जिसके बाद इसका शासनादेश जारी कर दिया गया है. इससे लंबे समय से खाली पड़े इन पदों पर भर्ती का रास्ता साफ हो गया है. विभाग अगले एक–दो दिनों में भर्ती के लिए विज्ञप्ति जारी करेगा.भर्ती प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के निर्देशराज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों का उच्चीकरण किया गया, जिसके चलते सहायिकाएं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बन गईं. इससे सहायिकाओं के पद खाली हो गए. अब इन रिक्त पदों पर भर्ती कर महिलाओं को रोजगार प्रदान किया जाएगा. बैठक में विभागीय अधिकारियों को भर्ती प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए गए. साथ ही यह सु. निश्चित करने को कहा गया कि योग्य महिलाओं को इन पदों पर अवसर मिले भर्ती के साथ ही सरकार ने आंगनबाड़ी केंद्रों में नई सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया है. नए मानकों के तहत सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल, बिजली और शौचालय की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाएगी.उत्तराखंड सरकार की यह पहल न केवल महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेगी, बल्कि आंगनबाड़ी केंद्रों की गुणवत्ता में भी सुधार होगा. इससे राज्य में महिला सशक्तीकरण को मजबूती मिलेगी और बाल विकास कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा.

योगी आदित्यनाथ को CM पद से हटाने के लिए इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दायर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पद से हटाने की मांग करते हुए एक जनहित याचिका इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दायर की गई है. पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लि. बर्टीज की उत्तर प्रदेश शाखा की ओर से दायर इस जनहित याचिका में कहा गया है कि न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव के समर्थन में योगी आदित्यनाथ का बयान धर्मनिरपेक्ष भारतीय गणतंत्र के लिए अपमान है.याचिका में आरोप लगाया गया है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव ने आठ दिसंबर, 2024 को विश्व हिंदू परिषद के विधि प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुस्लिम समुदाय के खिलाफ टिप्पणी की थी और उच्चतम न्यायालय ने इस मामले को संज्ञान में लेकर उच्च न्यायालय से प्रतिक्रिया मांगी थी.मुख्यमंत्री पद का घोर उल्लंघन जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न्यायमूर्ति यादव की टिप्पणियों का खुले तौर पर समर्थन किया जोकि मुख्यमंत्री पद एवं कार्यालय के शपथ का घोर उल्लंघन है क्योंकि उन्होंने बयान के जरिये भारत के संविधान के प्रति आस्था और निष्ठा की अवहेलना की है. इसलिए योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री के पद से हटाया जाना चाहिए.सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम के समक्ष पेश हुए शेखर कुमार यादव बता दें कि विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के एक कार्यक्रम में कथित तौर पर विवादास्पद बयान देने वाले इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम के समक्ष पेश हुए. सूत्रों ने यह जानकारी दी. सूत्रों के अनुसार, यादव प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम के समक्ष पेश हुए और इस दौरान उनसे दिए गए बयानों पर अपना पक्ष रखने को कहा गया. शीर्ष अदालत ने 10 दिसंबर को बयानों पर आधारित खबरों का संज्ञान लिया और इस मुद्दे पर इलाहाबाद हाई कोर्ट से रिपोर्ट मांगी.

उत्तर प्रदेश के कन्नौज में अनोखी शादी, सात फेरों के लिए चेंज कराया जेंडर, खर्च दिए लाखो रूपये

उत्तर प्रदेश के कन्नौज में दो लड़कियों ने आपस में शादी रचा ली. इसमें एक लड़की ने शादी करने के लिए अपना जेंडर ही चेंज करवा लिया. गुरुवार को इस शादी से जुड़ा फोटो और वीडियो वायरल हुआ. बताया जा रहा है कि उन्होंने इसके लिए सात लाख रुपये खर्च किए हैं. मामला कन्नौज के सरायमीरा स्थित देविन टोला मोहल्ले का है. दोनों परिवारों की रजामंदी के बाद धूमधाम से शादी समारोह हुआ.लोगों ने बताया कि यहां शादी की सभी रस्में निभाई गईं. स्थानीय लोगों ने बताया कि पहले कुछ दिन दोनों रिलेशनशिप में रह चुकी हैं. इसके बाद उसने जेंडर चेंज करवाने के लिए कई ऑपरेशन करवाए. इसके बाद दोनों के परिवार राजी हो गए. उन्होंने बड़े धूमधाम से शादी कर ली. यह कोई ऐसी पहली घटना नहीं है. पिछले साल उत्तर प्रदेश के बरेली में भी ऐसी घटना सामने आ चुकी है.बरेली में भी सामने आया था ऐसा मामलाबदायूं की लड़की बरेली में पढ़ाने आई थी. उसकी मुलाकात प्राइवेट सेक्टर में जॉब करने वाली दूसरी लड़की से हुई. दोनों में दोस्ती बढ़ती गई. दोनों साथ–साथ वक्त गुजारने लगीं. दोनों का प्रेम इस हद तक पहुंच गया कि उन्होंने साथ–साथ जीने–मरने की कसमें खाईं. दोनों के परिवार वालों को जब पता

चला तो विरोध भी हुआ. परिवार वालों ने दोनों को समझाया. लड़कियों ने परिवार के विरोध को दरकिनार कर दिया. एक लड़की जेंडर परिवर्तन कराने के लिए तैयार हो गई.डॉक्टरों के बारे मेंजानकारी जुटाई. यहां तक कि जटिल मेडिकल प्रक्रिया से गुजरकर एक लड़की नेअपना जेंडर बदलवा लिया. इसके बाद दोनों ने कानूनी राय भी ली. फिर, शादी के लिए जिला प्रशासन के सामने अर्जी भी डाली.

अलीगढ़ की हथकड़ियां विदेशों में भी हैं मशहूर, 35 देश के कैदियों को किया जाता है काबू

उत्तरप्रदेश अलीगढ़ पूरी दुनिया में श्तालेश और तालीम के लिए मशहूर है, हालांकि अब अलीगढ़ ने हालिया दिनों में अपनी हथकड़ियों को लेकर पूरे दुनिया में खास पहचान बनाई है. अपने गुणवत्ता और मजबूती की वजह से यहां की हथकड़ी देश के साथ–साथ विदेशों में भी पसंद की जाती है. अलीगढ़ के खास हथकड़ी की गुणवत्ता और मजबूती का अंदाजा इसकी विदेशों से डिमांड के आधार पर लगाया जा सकता है. हालिया सालों में तालों के साथ हथकड़ी की डिमांड भी विदेशों में बढ़ी है. अलीगढ़ में इस हथकड़ी को बनाने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है. खास किस्म के धातु से हैं बनतीहथकड़ी को बनाने के लिए उत्तम किस्म की धातु का इस्तेमाल किया जा सकता है. इसकी वजह से हथकड़ी मजबूत होने के साथ इसमें जंग भी नहीं लगती है. इन्हीं खूबियों की वजह से अलीगढ़ में बनने वाली हथकड़ी कई देशों में काफी फेमस है.भारत के सभी राज्यों के साथ दुनिया के 35 देशों में अपराधियों को काबू में करने के लिए अलीगढ़ की हथकड़ी का इस्तेमाल किया जाता है. यह हथकड़ियां अंग्रेजों के समय से अलीगढ़ में बनाई जा रही हैं. अब तक 90 साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद इनके आकार और डिजाइन में कोई बदलाव नहीं हुआ है. दो, सवा दो, ढाई और पौने तीन इंच की माप में बनने वाली ये हथकड़ियां अलीगढ़ से देश और विदेश में भेजी जाती है.अलीगढ़ की हथकड़ियों का इतिहासअलीगढ़ के सराय मानसिंह इलाके में स्वतंत्रता सेनानी सोनपाल मिश्रा ने 1932 में सबसे पहले हथकड़ी और बेड़ियां बनाने का काम शुरू किया था. वे लोहे को ढालकर कुंडेनुमा हथकड़ी बनाते थे, जिसे खास तरह की पेंचदार चाबी से ही खोला जा सकता था.स्वतंत्रता सेनानी सोनपाल मिश्रा की इस हथकड़ी को शफिक्स्ड हैंड कफश के नाम से जाना जाता था. सोनपाल मिश्रा के बाद उनकी तीसरी पीढ़ी के वंशज सुधांशु मिश्रा ने इस कारोबार को संभाला था. वे बताते हैं कि अंग्रेजों ने अपराधियों की कलाई का अध्ययन करने के बाद चार प्रकार की माप तय की थी, जो आज तक इस्तेमाल हो रही हैं.आधुनिक हथकड़ियों का विकास 1970 के दशक में सोनपाल मिश्रा के बेटे उदय मिश्रा ने हथकड़ियों के डिजाइन में बदलाव किया. उन्होंने यूके मॉड हैंडकफ का निर्माण शुरू किया. इसके लिए इंग्लैंड से हथकड़ी का नमूना मंगवा कर अलीगढ़ में तैयार किया गया. इस नई डिजाइन की हथकड़ी में ताले को कम या ज्यादा करने की सुविधा थी, जिससे कैदियों को थोड़ी राहत मिलती थी. साल 2010 में पुलिस विभाग की मांग पर हल्के वजन की हथकड़ियों का उत्पादन शुरू किया गया. ब्रिटेन की हिंजेस मॉडल की प्रेरणा से अलीगढ़ में ऐसी हथकड़ियां तैयार की

गईं, जिनका वजन कम था और जो डबल लॉक सिस्टम से लैस थीं. ये हथकड़ियां कार्बन स्टील से बनती हैं और आज सबसे अधिक प्रचलित हैं. अलीगढ़ के हथकड़ियों खासियतअलीगढ़ में हथकड़ियां मुख्य रूप से दो तरह की बनाई जाती हैं. पहला है फिक्स्ड हैंड कफ और दूसरी है एडजस्टेबल हैंड कफ. इन हथकड़ियों की अपनी साइज और डिजाइन की वजह से अलग–अलग खासियत है.फिक्स्ड हैंड कफ वजनःः450–500 ग्रामचार मापः 2 इंच, सवा 2 इंच, ढाई इंच और पौने तीन इंच. इनका निर्माण अंग्रेजों के समय से हो रहा हैएडजस्टेबल हैंड कफ वजनः 450–500 ग्रामयह डिजाइन 40 साल पुराना है और इसे घटाया या बढ़ाया जा सकता है. साल 2010 के बाद हल्के वजन के (लगभग 350 ग्राम) की हथकड़ियां भी बनाई जाने लगीं, जिनका उपयोग आजकल अधिक हो रहा है. विदेश में भी है डिमांड भारत के सभी राज्यों में इस्तेमाल होने वाली अलीगढ़ की हथकड़ियां अब नेपाल, श्रीलंका, नाइजीरिया, केन्या, अमेरिका, मलेशिया समेत 35 देशों में निर्यात की जाती हैं. इन देशों में आरई मॉडल की हथकड़ियों का इस्तेमाल किया जाता है.हालांकि चीन, ताइवान और इंग्लैंड जैसे देशों में भी हथकड़ियों का उत्पादन होता है, लेकिन अलीगढ़ में बनने वाली हथकड़ियां अपनी गुणवत्ता और डिजाइन के लिए विश्व प्रसिद्ध हैं. अलीगढ़ में बनने वाली हथकड़ियां न केवल भारत की न्याय प्रणाली का हिस्सा हैं बल्कि विश्व के कई देशों में भी अपनी जगह बना चुकी हैं. अंग्रेजों के जमाने से शुरू हुआ यह उद्योग आज भी समय की कसौटी पर खरा उतर रहा है. इससे न केवल अलीगढ़ के कारीगरों को रोजगार मिलता है बल्कि भारत की पहचान भी दुनियाभर में होती है.

विश्व के सातवें अजूबे को अयोध्या ने छोड़ा पीछे

उत्तर प्रदेश स्थित अयोध्या में राम मंदिर का लोकार्पण 22 जनवरी 2024 को हुआ था. उद्घाटन के पहले ही साल में अयोध्या ने पर्यटन के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं. पूरे उत्तर प्रदेश में इस साल जनवरी से सितंबर 2024 तक 47.61 करोड़ पर्यटक आए. इसमें से 13.55 करोड़ पर्यटकों ने अयोध्या का रुख किया. इसमें 3135 पर्यटक विदेशी थे. आगरा में इस साल 12.51 करोड़ लोग आए जिसमें 11.59 करोड़ भारतीय और 9.24 लाख विदेशी पर्यटक थे.मन. ीकंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार राज्य के पर्यटन मंत्री जयवीरस सिंह ने कहा कि इस साल 9 महीनों में 48 करोड़ पर्यटक उत्तर प्रदेश आए.रिपोर्ट के अनुसार ताजमहल को देखने के लिए साल 2022–23 में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक 26.84 लाख से बढ़कर 2023–24 में 27.70 लाख हो गई. वहीं घरेलू पर्यटकों की संख्या में 1.93 लाख की गिरावट दर्ज की गई. अयोध्या के अलावा यूपी के बौद्ध सर्किट सेंटर कुशीनगर में भी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई. यहां 16.2 लाख पर्यटक आए. इसमें 1.53 लाख अंतरराष्ट्रीय पर्यटक थे.

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने योगी सरकार के इस आदेश . पर लगाई रोक, घरों का होना था ध्वस्तीकरण

संगम नगरी प्रयागराज में अगले साल 13 जनवरी से लगने वाले महाकुंभ मेले को लेकर इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है. महाकुंभ के दौरान मार्ग चौड़ीकरण करने के लिए घरों को ध्वस्तीकरण करने के आदेश पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है. प्रयागराज में फाफामऊ पुल के नजदीक रास्ते को चौड़ा करने के लिए कई घरों को ध्वस्तीकरण का नोटिस जारी किया गया था. नोटिश में कहा गया था कि, एक हफ्ते में घरों को खुद ही तोड़ने के लिए कहा गया था ऐसा नहीं करने पर बुलडोजर के जरिए घर गिराए जाने की बात कही गई थी. इस नोटिस को लेकर 16 लोगों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. याचिकार्ताओं ने इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से दखल देने की गुहार लगाई थी. इलाहाबाद हाईकोर्ट में इस मामले में आज यानी 20 दिसंबर 2024 को सुनवाई हुई. जस्टिस एमके गुप्ता और जस्टिस अनीस गुप्ता की डिवीजन बेंच में इस मामले पर सुनवाई हुई है.

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला का निधन, 89 की उम्र में ली अंतिम सांस

हरियाणा के पूर्व सीएम ओम प्रकाश चौटाला का निधन हो गया है. 89 साल की उम्र में उन्होंने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली. इनेलो सुप्रीमो को सुबह 11.30 बजे अस्पताल लाया गया था. 12 बजे के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया. चौटाला के निधन से हरियाणा और देश की राजनीति में शोक की लहर है. ओम प्रकाश चौटाला सात बार के विधायक, पांच बार के सीएम रहे चुके हैं.ओम प्रकाश चौटाला हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल के बेटे हैं. ओम प्रकाश चौटाला का जन्म 1 जनवरी 1935 को हरियाणा के सिरसा जिले के चौटाला गांव में हुआ था. चौटाला हरियाणा के 7वें मुख्यमंत्री रहे. उनके पिता चौधरी देवीलाल चौटाला ने हरियाणा राज्य की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और बाद में देवीलाल हरियाणा के मुख्यमंत्री और भारत के उप प्रधानमंत्री भी रहे.ओम प्रकाश चौटाला ने हरियाणा के विकास में अहम भूमिका निभाई. वो ग्रामीण क्षेत्रों और किसानों के बहुत बड़े प्रशंसक थे. सत्ता में रहते हुए या विपक्ष में रहते हुए भी उनकी नीतियों और भाषणों में हमेशा यह झलकता था. उन्हें हरियाणा में सबसे सक्रिय नेता के रूप में जाना जाता था. ओम प्रकाश चौटाला 1970 में पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़े और जीते. इसके बाद वो राज्यसभा पहुंचे.

7 दिसंबर 1989 को वो हरियाणा के मुख्यमंत्री बने. मगर वो इस पद पर केवल 171 दिन (22 मई 1990) तक ही

रहे. इसके दो महीने बाद 12 जुलाई 1990 को वो दूसरी बार हरियाणा के सीएम बने. इस बार केवल पांच दिन तक ही वो इस पोस्ट पर रहे.

22 मार्च 1990 को उन्हें तीसरी बार हरियाणा की मुख्यमत्री नियुक्त किया गया था. इस बार वो 14 दन तक इस पद पर रहे.इसके ठीक एक साल बाद यानी 2 मार्च 1991 को वो चौथी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बने. इस बार उन्होंने बतौर सीएम पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा किया.

छात्र को याद नहीं था अपनी मां का नाम, एग्जाम हॉल से प्रोफेसर ने पहुंचा दिया थाने

मध्य प्रदेश से एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है. राज्य के दमोह में एक छात्र एलएलबी की परीक्षा देने एग्जाम सेंटर पहुंचा था, लेकिन अपनी एक गलती की वजह से पकड़ा गया. युवक अपने दोस्त की परीक्षा देने आया था. फर्जी छात्र ने पेपर में सभी चीजें तो सही भर दी, लेकिन असली छात्र की मां का नाम भूल गया. ऐसे में कॉलेज के प्रोफेसर ने उसे पकड़ लिया. इसके बाद पुलिस की टीम को बुलाकर उसे गिरफ्तार करवा दिया गया.दमोह के पीएम श्री पीजी कॉलेज में एलएलबी यानी लॉ के पेपर चल रहे हैं. कॉलेज में गुरुवार को थर्ड सेम का इंग्लिश का एग्जाम था. परीक्षा देने कॉलेज में एक युवक की जगह उसका दोस्त आया था. फर्जी परीक्षार्थी की गलती सिर्फ इतनी थी कि वो जिस शख्स की परीक्षा दे रहा था उसके पिता का नाम तो याद वह करके गया था, लेकिन मां का नाम नहीं बता पाया, जिसकी वजह से वो फंस गया.जानकारी के मुताबिक फर्जी परीक्षार्थी आराम से बैठकर एग्जाम दे रहा था. इस दौरान एग्जाम हॉल में चेकिंग के लिए टीम आई और सभी छात्रों के एडमिट कार्ड की फोटो से उनका मिलान किया जा रहा था. ऐसे में टीम की एक महिला प्रोफेसर को फर्जी परीक्षार्थी पर शक हुआ. हालांकि एडमिट कार्ड की फोटो से उसका चेहरा मिल रहा था लेकिन इसके बावजूद भी उस प्रोफेसर का शक कम नहीं हुआ.नहीं याद था मां का नामशक की वजह से महिला प्रोफेसर ने परीक्षार्थी से उससे उसके पिता का नाम पूछा, तो उसने सही बताया लेकिन जैसे ही मां का नाम पूछा गया वो नहीं बता पाय. ऐसे में घटना को गंभीरता के साथ लेते हुए जांच पड़ताल की गई तो ये छात्र फर्जी निकला. जांच के दौरान पता चला कि एग्जाम हाल में हिमांशु नेमा नाम का युवक विपुल सिंघई नाम के छात्र की जगह परीक्षा दे रहा था. इसके बाद कॉलेज प्रबंधन ने पुलिस को बुलाकर छात्र को गिरफ्तार करवा दिया. आरोपी पर आपराधिक मामला दर्ज किया गया है. कॉलेज प्रबंधन इस बात का भी पता लगा रहा है कि इसके पहले हुए पर्चो में असली छात्र आया या यह फर्जी छात्र एग्जाम देता रहा है.

अमेरिका के कई सरकारी ऑफिस हो जाएंगे बंद! सैलरी के लिए पैसे नहीं

अमेरिका इस समय गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है. देश के पास इतना पैसा नहीं बचा है कि वह अपने सरकारी कर्मचारियों को वेतन दे सके. हालात शटडाउन के करीब पहुंच गए हैं. फंड जुटाने के लिए अमेरिकी संसद में गुरुवार (19 दिसंबर) की रात एक बिल पेश किया गया, जिसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन प्राप्त था. हालांकि, यह बिल संसद में असफल हो गया.गुरुवार रात को संसद में शटडाउन रोकने के उद्देश्य से एक बिल लाया गया था. इस प्रस्तावित बिल का ट्रंप ने समर्थन किया था. हालांकि, विपक्षी डेमोक्रेट्स ने इसका कड़ा विरोध किया और वोटिंग में इसे गिरा दिया. डेमोक्रेट्स ने ट्रंप के कार्यकाल के पहले वर्ष में कोई राजनीतिक लाभ नहीं देना चाहा, जिसके चलते उन्होंने इस बिल का विरोध किया.ट्रंप की पार्टी में भी विरोधबिल का विरोध केवल डेमोक्रेट्स ने ही नहीं, बल्कि ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के कुछ सांसदों ने भी किया. यह बिल 174–235 के अंतर से संसद में अस्वीकृत हो गया. यहां तक कि रिपब्लिकन पार्टी के 38 सांसदों ने भी इसके खिलाफ वोट दिया.क्यों है जरूरी बिल पास होना?अमेरिका को अपने खर्च पूरे करने के लिए फंड की आवश्यकता होती है. यह फंड कर्ज के जरिए जुटाया जाता है, जिसके लिए संसद में एक बिल पारित किया जाता है. इस बार प्रस्तावित बिल ट्रंप के समर्थन से पेश किया गया था, लेकिन यह पास नहीं हो सका. इसका अर्थ है कि अमेरिकी सरकार को अपने खर्चों के लिए आवश्यक धन नहीं मिल पाएगा. सरकार इसी फंड से सरकारी कर्मचारियों की सैलरी और अन्य प्रशासनिक खर्चों को पूरा करती है. अगर बिल पास नहीं हुआ तो सरकारी कामकाज रुक जाएगा और शटडाउन की स्थिति बन जाएगी.शटडाउन का खतरा और समय सीमाशटडाउन रोकने के लिए सरकार के पास शुक्रवार रात तक का समय बचा है. यदि यह बिल समय पर पारित नहीं हुआ, तो अमेरिका में शटडाउन घोषित हो जाएगा. इसका सीधा असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था और प्रशासन पर पड़ेगा.फंड उपलब्ध कराने का प्रस्ताबिल में मार्च तक सरकार के खर्चों के लिए फंड उपलब्ध कराने का प्रस्ताव था. इसके अलावा, आपदा राहत के लिए +100 बिलियन और दो साल के लिए कर्ज सीमा बढ़ाने की योजना थी. पिछली बार इसी तरह का बिल पेश होने पर ट्रंप और एलन मस्क ने इसका विरोध किया था.शटडाउन का संभावित असर शटडाउन होने पर अमेरिका का पूरा फेडरल सिस्टम प्रभावित होगा.सरकारी कर्मचारियों पर असररू करीब 20 लाख सरकारी कर्मचारियों को सैलरी नहीं मिलेगी और उन्हें छुट्टी पर भेज दिया जाएगा. संस्थान बंद कई सरकारी संस्थानों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ेगा. एयरपोर्ट ट्रैफिक एयरपोर्ट पर भारी ट्रैफिक का सामना करना पड़ेगा. आवश्यक सेवाएं चालू रहेंगीरू कानून और सुरक्षा से जुड़े विभागों के कर्मचारी ही काम करेंगे.

मेरठ शिव महापुराण कथा में भीड़ . बेकाबू हुई, कई महिलाएं गिरीं, चीख पुकार मची, 4 घायल

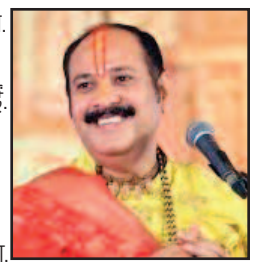

मेरठ में शिव महापुराण कथा सुनने के लिए आई भीड़ बे. काबू हो गई, जिसके बाद वहां भगदड़ मच गई. इस भगदड़ में कई महिलाएं नीचे गिर गईं और नीचे दब गईं. ये कथा पंडित प्रदीप मिश्रा कर रहे थे, जो परतापुर के शताब्दी नगर में चल रही थी. बताया जा रहा है कि कथा सुनने के लिए काफी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे, जिसके बाद कुछ लोगों में पंडाल में एंट्री को लेकर कहा. सुनी हो गई. इसकी वजह से भगदड़ का माहौल बन गया, कुछ महिलाएं गिर गईं. इस दौरान कुछ महिलाओं को चोट आई है, लेकिन किसी की मौत नहीं हुई है.

सपा सांसद के खिलाफ बिजली चोरी के मामले पर केशव प्रसाद मौर्य की प्रतिक्रिया, संस्कार का किया जिक्र

समाजवादी पार्टी के सांसद जिया उर रहमान बर्क के खिलाफ बिजली चोरी के मामले को लेकर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की भी प्रतिक्रिया सामने आई है. सपा सांसद जिया उर रहमान बर्क के खिलाफ कथित बिजली चोरी को लेकर यूपी बिजली विभाग की कार्रवाई पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, ष्जहां तक सांसद के खिलाफ मामले और आरोपों का सवाल है, उन्हें बिल या जुर्माना भरना चाहिए. एक सांसद के तौर पर बिजली चोरी जैसी चीजें शर्मनाक हैं, यह सपा से जुड़े लोगों का आचरण और संस्कृति है.ष्इससे पहले इस मामले को लेक सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा ये बीजेपी का मॉडल है. घर में छापा मारकर परेशान किया जा रहा है. यूपी में बिजली चोरी के नाम पर सबसे अधिक को परेशान किया जा रहा है. वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान और कांग्रेस सांसद राहुल की ऊपर हुई थ्त पर भी उन्होंने बयान दिया. अखिलेश यादव ने कहा कि गांव–गांव में बाबा साहब को पूजने वाले लोग हैं. सरकार को माफी मांगनी चाहिए और शब्द वापस लेने चाहिए. माफी मांगने वाला व्यक्ति बड़ा होता है, इस विवाद को स्पीकर के पास सुलझाना चाहिए था. बिजली विभाग ने संभल सांसद जिया उर रहमान बर्क के घर बिजली चोरी के मामले में 1 करोड़ 91 लाख का ैम्डम्छज् किया है और ये पैसा पूरा सांसद से वसूला जाएगा. इससे पहले सपा सांसद बर्क के पिता मलूक उर रहमान के खिलाफ संभाल के नखासा थाने में बिजली विभागंके कर्मचारियों को धमकाने के मामले में थ्त दर्ज हुई थी. सपा सांसद के पिता के खिलाफ 352, 351(2), 132 ठछै की धाराओं के तहत

मुकदमा दर्ज हुआ.16 किलोवाट से अधिक का लोड घर में था मिलाबता दें कि सपा सांसद के घर बिजली की बड़ी चोरी पकड़ी गई थी, 2 किलो वाट के मीटर के सापेक्ष 16 किलोवाट से अधिक का लोड घर मे पाया गया. संभल के एंटी पावर थेफ्ट में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के खिलाफ बिजली चोरी का केस दर्ज हुआ. सांसद बर्क पर मीटर में भी छेड़छाड़ का आरोप लगा और धारा 135 भारतीय विद्युत अधिनियम (संशोधन) 2003 के तहत मामला दर्ज किया गया.

बरेली में 250 साल पुराना मंदिर हुआ कब्जा मुक्त, हिंदू संगठनों ने लहराया भगवा झंडा

बरेली में 250 साल पुराने मंदिर को कब्जा मुक्त कराने को लेकर दो दिन से चले आ रहा है गतिरोध आज समाप्त हो गया. काबिजदार वाजिद अली ने खुद स्वेच्छा से मंदिर परिसर को खाली करने के ऐलान से मामला सुलझ हो गया. हालांकि चौकीदार वाजिद अली का परिवार मंदिर की जमीन पर पिछले 40 सालों से कब्जेदार था. इस कब्जे को लेकर हिन्दू संगठनों में रोष था इसी बात को लेकर एक पक्ष अपना विरोध जता रहा था. यह मामला प्रकाश में आने के बाद से प्रशासन अलर्ट मोड़ में था और उसी का परिणाम रहा कि मामला शांति से निपट गया.बरेली के किला थाना क्षेत्र के बाकर गंज में स्थित 250 साल पुराने गंगा महारानी के मंदिर भवन पर साधन सहकारी समिति का बोर्ड लगाकर फर्जी चौकीदार वाजिद ने कब्जा कर लिया था. इसके साथ ही वहां से मूर्तियां और शिवलिंग भी हटा दिया था. गुरुवार को प्रशासन ने जांच कराई तो परतें खुलने लगीं. प्रशासन ने चौकीदार वाजिद से पूछा कि उसने मंदिर परिसर के दो कमरों को अपना घर कैसे बना लिया?वाजिद इस सवाल पर कोई उत्तर या प्रमाण नहीं दे सका. सरकारी रिकार्ड से भी पुष्टि हो गई कि वाजिद नाम का कोई कर्मचारी पहले कभी नहीं रहा, न ही अब तैनात है. सात दिन में भवन खाली करने का अल्टीमेटम दिया गया है. भवन स्वामित्व का दावा करने वाले राकेश सिंह कब्जा हटने के इंतजार में हैं, ताकि वहां दोबारा मूर्तियों की स्थापना कराई जा सके. राकेश सिंह ने मीडिया को बताया कि उनके पूर्वजों ने कटघर मौहल्ले में मंदिर बनवाया था. 1905 में पूर्वज लक्ष्मण सिंह ने गंगा महारानी ट्रस्ट के नाम से रजिस्ट्री कराई थी. मंदिर में गंगा महारानी की अष्टधातु की मूर्ति एवं सफेद रंग के शिवलिंग की स्थापना हुई थी, वहां क्षेत्र के लोग पूजा करने आते थे.डीएम के आदेश पर हरकत में आया प्रशासनशिकायत पर डीएम रविंद्र कुमार ने मामले पर जांच बैठाई. जांच अधिकारी नायब तहसीलदार बृजेश कुमार वर्मा मौके पर पहुंचे तो राकेश सिंह ने रजिस्ट्री आदि प्रपत्र दिखा दिए मगर वाजिद के पास कोई प्रमाण नहीं था. वहीं एआर कोआपरेटिव बृजेश सिंह परिहार ने बताया कि कटघर के भवन में समिति का कोई कार्यालय या गोदाम नहीं है. वाजिद नाम का कोई कर्मचारी भी रिकार्ड में नहीं है. उनके बयान के बाद प्रशासन की टीम ने माना कि वाजिद ने अवैध रूप से मंदिर भवन पर कब्जा किया है. नायब तहसीलदार ने उससे हटने को कहा तो समय मांगने लगा. इसके बाद प्रशासन की टीम सात दिन में कब्जा हटाने का अल्टीमेटम देकर लौट आई थी.एसपी सिटी मानुष पारीक ने दी यह जानकारीएसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि थाना किला क्षेत्र के बाकरगंज में स्थित श्री गंगा मैया महारानी का एक मंदिर पड़ता है. जिस पर एक चौकीदार का कब्जा था, चौ. कीदार अपनी स्वेच्छा से कब्जा छोड़कर जा रहा है. पुलिस प्रशासन मौके पर है और किसी तरह की कानून व्यवस्था में कोई दिक्कत नहीं है.

भोपाल में परिवहन विभाग की पूर्व सिपाही के घर में लोकायुक्त का छापा, करोड़ों रूपये और सोने चांदी बरामद

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आज से अधिक संपत्ति की शिकायत पर लोकायुक्त ने पूर्व आरटीओ कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा के घर रेड की. सुत्रों के मुताबिक गुरुवार (19 दिसंबर) सुबह सौरभ शर्मा के अरेरा कॉलोनी स्थित घर से लोकायुक्त को लगभग ढाई करोड़ रुपये और 40 किलो के लगभग चांदी मिली, ज्वेलरी और प्रॉपर्टी के कागजात मिले हैं, सौरभ पर नाकों में पोस्टिंग के लिए दलाली का आरोप है.सौरभ शर्मा की अरेरा कॉलोनी स्थित जी कोठी में रेड डाली गई, रेड के दौरा न जो सामान मिला है उसकी कीमत करोड़ों में आकी जा रही है, शर्मा अभी भोपाल में नहीं है बताया जा रहा है. जानकारी के मुताविक वह इन दिनों दुबई में हैं, लोकायुक्त की कार्रवाई के समय शर्मा की मां और एक नौकर घर में मौजूद था.श्12 साल की नौकरी में करोड़ों की संपत्ति बना ली थीश्शर्मा के पिता परिवहन विभाग में थे और उनकी जगह ही इस संविदा नियुक्ति मिली थी, जहां उसने 12 साल नौकरी करने के बाद वीआरएस ले लिया था. शर्मा ने 12 साल की नौकरी में करोड़ों की संपत्ति बना ली थी, और उसके होटल और स्कूल बिजनेस में भी निवेश की बातें सामने आई हैं. बरामदगी के बारे में कुछ भी बताने से इनकार लोकायुक्त के डीएसपी वीरेंद्र सिंह ने बताया लोकायुक्त को शर्मा की आय से अधिक संपत्ति के मामले में शिकायत मिली थी, जिसके चलते यह कार्रवाई की जा रही है, हालांकि उन्होंने कुल बरामदगी के बारे में कुछ भी बताने से इनकार किया . बताया जा रहा है कि शर्मा 1 साल पहले वीआरएस लेने के बाद अब रियल एस्टेट बिजनेस में काम कर रहा है. माना जा रहा है कि शर्मा के तार कई और रसूखदार लोगों से जुड़े हो सकते हैं जांच के बाद कई और नाम सामने आ सकते हैं.

परिवार न्यायालय के हस्तक्षेप से दो दंपतियों स्वीकार किया साथ-साथ रहना

प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय अलीगढ़ रणधीर सिंह की अदालत में वादी ने धारा 9 एचएम एक्ट का केस प्रस्तुत किया

अलीगढ. (जननायकसम्राट) प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय अलीगढ़ रणधीर सिंह की अदालत में वादी ने धारा 9 एचएम एक्ट का केस प्रस्तुत किया। वादी की उम्र 25 वर्ष है एवं विपक्षीय पत्नी की उम्र 23 वर्ष है विपक्षीय पहासू बुलंदशहर के निवासी हैं। वादी जवां क्षेत्र का निवासी है। पक्षकारों पर एक पुत्र उम्र करीब आठ माह का है शादी 2021 में हुई है। पति–पत्नी करीब 1 साल से अलग–अलग रह रहे हैं। दूसरा मामला वादी की उम्र करीब 36 वर्ष है वरला क्षेत्र का निवासी है। विपक्षीय पत्नी की उम्र करीब 34 वर्ष है, सिकंदराराऊ हाथरस जनपद के निवासी है। वादी ने धारा 9 एचएम एक्ट का केस प्रस्तुत किया पति–पत्नी पर दो बेटी एक बेटा है, शादी वर्ष 2009 में हुई है। करीब दो वर्ष से अलग–अलग रह रहे हैं।उक्त दोनों पत्रावलियां सुनवाई के लिए अपर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय चतुर्थ श्रीमती ललिता गुप्ता की अदालत में प्रस्तुत हुई कोर्ट ने पत्रावली काउंसलिंग के लिए दी। पति पत्नी को काफी समझाया बुझाया गया। दोनों मामलों में पति–पत्नी मय बच्चों के साथ–साथ रहने को राजी हुए और दोनों वादी अपनी पत्नियों को उनके मायके से बुलाकर मय बच्चों के साथ–साथ हंसी खुशी चले गए।उक्त जानकारी काउंसलर एडवोकेट योगेश सारस्वत ने दी है।

विकास खण्ड बिजौली की खेल प्रतियोगिता का आयोजन . 23 दिसंबर को सरस्वती विद्या मंदिर बिजौली में

अलीगढ़ (जननायक सम्राट) युवा कल्याण विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली विकास खण्ड स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिता का आयोजन ब्लॉक बिजौली के सरस्वती विद्या मंदिर बिजौली के खेल मैदान पर 23 दिसंबर को प्रातः 8 बजे से किया जाएगा।खण्ड विकास अधिकारी बिजौली दीपक कुमार ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग के पुरूष व महिला खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकेंगे। प्रतियोगिता में एथले. टिक्स, कबड्डी, वालीबाल, फुटबाल, कुश्ती, भारात्तोलन, जूडो, बेडमिंटन विधाओं का आयोजन किया जाएगा।

जिला सैनिक बन्धु की बैठक 23 दिसंबर को

अलीगढ़ (जननायक सम्राट) अपर जिलाधिकारी नगर अमित कुमार भट्ट की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में 23 दिसंबर को सांय 4 बजे से जिला सैनिक बन्धु की बैठक आहुत की गई है। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी विंग कमाण्डर जितेन्द्र कुमार चौहान ने उक्त जानकारी देते हुए सभी सदस्यों से अनुरोध किया है कि वह निर्धारित समय व स्थान पर बैठक में स्वयं प्रतिभाग करें ताकि पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों की समस्याओं के निस्तारण के संबंध में समुचित कार्यवाही हो सके।

वृहद रोजगार मेले का आयोजन प्रेम इंस्टीट्यूट ऑफ प्राईवेट आई0टी0आई0 इगलास में 24 दिसंबर को

अलीगढ़ क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मॉडल कैरियर सेन्टर एवं प्रेम इंस्टीट्यूट ऑफ प्राईवेट आई०टी0आई0 अलीगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में 24 दिसंबर को वृहद रोजगार मेले का आयोजन प्रेम इंस्टीट्यूट ऑफ प्राईवेट आई0टी0आई0 भौरा गौरवा रोड निकट ताहरपुर इगलास अलीगढ़ में किया जाएगा। रोजगार मेले में 8 कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग कर लगभग 1500 रिक्त पदों पर बेरोजगार युवक–युवतियों का चयन किया जायेगक्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारी डा0 पी0पी0सी0 शर्मा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार मेले में श्री हरि सर्विस अलीगढ़, फायर सेफ्टी अकेडमी अलीगढ, ई0एफ0एस०एम0 प्रा0लि0 सुडियाल, अरनव इन्फोसोफ्ट प्रा0लि0 नोयडा, विजन इण्डिया सर्विस नोयडा, टाटा स्ट्राईव स्किल डवलपमेंट सेंटर अलीगढ़ एवं अन्य के द्वारा मार्केटिंग, अकाउण्टेन्ट, प्रोडक्शन एसोसिएट, कम्प्यूटर आपरेटर, सेल्स, वेलनेस एडवा. ईजर, सुपरवाईजर, स्टोर इंचार्ज, पैकिंग इंचार्ज, टेलीकालर के पदों पर हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, परा. स्नातक, आई0टी0आई0, डिप्लोमा, बी0टैक0, बी0बी0ए0, बी0सी0ए0, एम0बी0ए0 उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा।
उन्होंने बताया कि इच्छुक पंजीकृत अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल तवर. हंतेंदहंउ.नच.हवअ.पद एवं ूदबे.हवअ.पद पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करें। उक्त पोर्टल पर रजिस्टर्ड अभ्यर्थी ही प्रतिभाग कर पायेंगे। रोजगार मेले में सभी आवेदित अभ्यर्थी अपने साथ पंजीयन कार्ड (एक्स–10), समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की फोटो एवं मूल प्रति, फोटो आई0डी0, 02 फोटो एवं रिज्यूमे लेकर अवश्य आयें। रिक्तियों का विस्तृत विवरण सेवायोजन पोर्टल पर देखें किसी भी असुविधा के लिये सेवायोजन कार्यालय के दूरभाष नंबर 0571–2403304 एवं 9639188583 पर सम्पर्क करें।

सर सैयद के नाम पर बने रीडिंग रूम को बना दिया हॉस्टल, छात्रों में आक्रोश

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के संस्थापक सर सैयद के नाम के सर सैयद (दक्षिण) हॉल में बने रीडिंग रूम को हॉस्टल में तब्दील कर दिया गया है। हॉल में पढ़ाई की जगह आराम की व्यवस्था बना दी गई है। इससे विद्यार्थियों में आक्रोश है। वे हॉस्टल को दोबारा रीडिंग रूम बनाने की मांग पर अड़ गए हैं।यूनिवर्सिटी में 20 हॉल हैं। हर हॉल एक–एक रीडिंग रूम है। सर सैयद (दक्षिण) हॉल में रीडिंग रूम का जीर्णोद्धार कराया गया था, जिसका उद्घाटन 15 अगस्त 2018 को तत्कालीन कुलपति प्रो. तारिक मंसूर ने किया था। शोधार्थी अब्दुल वहीद खान ने बताया कि रीडिंग रूम में कंप्यूटर रूम समेत पढ़ाई के लिए तमाम सहूलियतें थीं। रीडिंग रूम में कंप्यूटर भी नदारद है। छात्र हाफिजुर्रहमान ने कहा कि नए रीडिंग रूम में जगह कम हैं। हॉल के प्रोवोस्ट डॉ. फारूक अहमद डार ने कहा कि रीडिंग रूम को दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया गया है। पुराने रीडिंग रूम में बेड बिछा दिए गए हैं। रीडिंग रूम बदलने की वजह सिर्फ इतनी थी कि छात्रों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो।

क्षेत्र पंचायत जवां कीबैठक 08जनवरीको

अलीगढ क्षेत्र पंचायत जवां की बैठक 08 जनवरी 2025 को प्रातः 11 बजे से मा0 ब्लॉक प्रमुख जवां ठा0 हरेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में विकास खण्ड जवां के सभागार में आयोजित की जाएगी खण्ड विकास अधिकारी जवां डा0 रूपेश कुमार मण्डल ने उक्त जानकारी देते हुये बताया कि बैठक में गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि, कृषि, लघु सिंचाई, नहर विभाग, राजकीय नलकूप, बाल विकास, एनआरएलएम, समाज कल्याण, खाद्य एवं रसद, शिक्षा, सहकारिता, पशुधन, युवा कल्याण, भूमि संरक्षण पेयजल, मत्स्य, दुग्ध आदि विभागों की योजनाओं पर विचार विमर्श किया जायेगा। उन्होंने समस्त क्षेत्र पंचायत सदस्य जवां एवं ग्राम प्रधानों को सूचित करते हुये अनुरोध किया है कि वह नियत समय व स्थान पर बैठक में प्रतिभाग करें।

जिलाधिकारी 21 दिसंबर को तहसील अतरौली में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में जन शिकायतों का कराएंगे निस्तारण

अलीगढ़ जिलाधिकारी विशाख जी0 की अध्यक्षता में 21 दिसंबर को प्रातः 10 बजे से तहसील अत. रौली के निरीक्षण भवन सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जा अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व मीनू राणा ने उक्त जानकारी देते हुए सभी क्षेत्रीय जनमानस से आव्हान किया है कि वह विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं एवं शिकायतों के संबंध में सम्पूर्ण समाधान दिवस में अपना आवेदन प्रस्तुत कर उनका त्वरित निस्तारण कराएं।

एएमयू में ओएसडी पद को अवैध करार, आरटीआई से हुआ खुलासा

एएमयू के कई विभागों में तैनात ओएसडी पर सवाल खड़े हो गए हैं। अलीगढ़ के आरटीआई एक्टीविस्ट ने ओएसडी पद को लेकर दो बार आरटीआई के तहत जानक. ारी मांगी जिस पर इंतजामिया ने जवाब देते हुए पद को अवैध बताया है। एएमयू में ओएसडी और एमओआईसी पद पर तैनाती को लेकर हमेशा ही दबी जुबान से आवाज उठती रही है। इसी संबंध में आरटीआई एक्टीविस्ट तारिक इस्लाम ने ओएसडी पद की तैनाती को लेकर जानकारी मांगी। जिसका जवाब एक बार में इंतजामिया नहीं दे सकी। उन्हें तीन माह में दो बार आरटीआई का सहारा लेना पड़ा। पहले आरटीआई में अधूरी जानकारी के बाद दूसरे आरटीआई में पूरी जानकारी दी है। पहली आरटीआई छह सितंबर को डाली, जिसका जवाब 26 सितंबर को कुल सचिव कार्यालय द्वारा दी गई। अधूरी जानकारी मिलने पर दूसरी आरटीआई डाली गई जिसका जवाब दो दिसंबर को दिया गया।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान CM Yuva के आगाज की हुई तैयारी

अलीगढ़ मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के जागरूकता कार्यक्रमों की कड़ी में जिला अलीगढ़, कासगंज, हा. थरस एवं एटा की मंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन आगरा रोड स्थित ज्ञान आईटीआई के सभागार में किया गया। दो पालियों में आयोजित कार्यशाला में चारों जिलों के 400 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला में महिलाओं की उप. स्थिति विशेष तौर पर चारों जिलों से विभिन्न स्वयं सहायता समूह की मि. हलाओं की उपस्थिति उत्साहपूर्ण रही। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेन्द्र कुमार ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देशन में यह योजना मिशन मोड में शुरू की गई है जिसके अंतर्गत सूक्ष्म उत्पादन एवं सेवा क्षेत्र की प्रतिवर्ष एक लाख इकाइयों की स्थापना करते हुए युवाओं को स्वरोजगार को जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित है। योजना के अंतर्गत 21 से 40 वर्ष के आ. ठवीं पास और किसी भी प्रकार का तकनीकी प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्राप्त किये युवाओं को प्रथम वर्ष में 5 लाख तक की परियोजनाओं के लिए ब्याज व गारंटी मुक्त ऋण प्रदान कराया जाएगा। लाभाि. र्थयों को मार्जन मनी अनुदान के साथ ही 4 वर्षों तक सीजीटी एसएमई की प्रतिपूर्ति प्रदान की जाएगी। योजना के द्वितीय चरण में मूलधन व ब्याज को समय अवधि के अंदर चुकाने वाले अभ्यर्थी ही पात्र होंगे जिनके द्वारा पुनः 10 लाख रुपए तक की परियोजना स्थापित की जा सकेगी। आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण रूप से ऑनलाइन होगी। योजना को संचालित करने के लिए जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी एवं जिला समन्वय कौशल विकास मिशन अपना सहयोग प्रदान करेंगे जबकि जिला उद्योग केंद्र नोडल विभाग के रूप में कार्य करेगा।कार्यशाला में योजना के नॉलेज पार्टनर समाधान समिति से आए हुए विषय विशेषज्ञों द्वारा न सिर्फ योजना का पूर्ण रूप से प्रस्तुतीकरण किया गया अपितु पोर्टल पर पंजीकृत इच्छुक आवे. दकों को योजना की रिपोर्ट तैयार कराए जाने, कच्चा माल, मशीन उपलब्ध कराने वाली फर्मो का विवरण उपलब्ध कराने व मार्केटिंग की सुविधा निशुल्क उपलब्ध कराई जाने के संबंध में जानक. ारी देते हुए यह भी अवगत कराया कि विभिन्न ऑनलाइन मार्केटिंग पोर्टल, जैम और जीएसटी प्राप्त करने वाली सुविधा भी समिति द्वारा निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। अग्रणी जिला प्रबंधक हाथरस, एटा एवं कासगंज द्वारा भी लाभार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए यह आश्वस्त किया गया कि योजना के संचालन में बैंकों द्वारा प्रत्येक जिले में पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। उपायुक्त उद्योग हा. थरस अजलेश कुमार, उपायुक्त उद्योग कासगंज चंद्रभान भास्कर द्वारा भी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया।कार्यशाला में परिक्षेत्रीय अधिकारी खादी ग्रामोद्योग संजीदा बेगम समेत मंडल के चारों जिलों के उपायुक्त उद्योग, अग्रणी जिला प्रबंधक, खादी ग्राम उद्योग अधिकारी एटा, कौशल विकास मिशन, आईटीआई से जुड़े हुए सभी संबंधित अधिकारी एवं अलीगढ़ के विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक भी उपस्थित रहे।

खिरनी गेट पर निःशुल्क हृदय रोग स्वास्थ शिविर 22 को

श्री दिगम्बर जैन महासमिति एवं जैन समाज सेवा समिति (रजि.) अलीगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में भगवान महावीर की 2551 वें निर्वाण महोत्सव वर्ष के अंतर्गत फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा के सहयोग से निरूशुल्क हृदय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन रविवार 22 दिगम्बर को प्रातरू 11बजे से 2 बजे तक खिरनी गेट स्थित श्री लख्मीचंद पांड्या खंडेलवाल दिगम्बर जैन ट्रस्ट परिसर मे आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी प्रेस वार्ता में समिति के प्रदेश महामंत्री राजीव जैन ,संयोजक मुनेश जैन, कोषाध्यक्ष अशोक जैन दोषी एवं महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश महामंत्री पूर्वी जैन एवं नगर महामंत्री नीरजा जैन संयुक्त रूप से दी। मरीजों की सुविधा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रातरू 10 बजे से प्रारम्भ हो जायेंगे। शिविर में डॉ. संजीव गेरा निदेशक एवं विभागाध्यक्ष कार्डियोलॉजी फोर्टिस हॉस्पिटल नोएडा द्वारा अपनी सेवाएं प्रदान की जायेगी। डॉ. संजीव गेरा एक प्रख्यात इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट हैं, जिनके पास इस क्षेत्र में 30 वर्षों से अधिक का अनुभव है।उनकी विशेषज्ञता के प्रमुख क्षेत्रों में हृदय रोग, सीने में दर्द का उपचार, हृदय पुनर्वास, डोबुटामाइन तनाव परीक्षण, एफएफआर (फ्रैक्शनल फ्लो रिजर्व), ट्रांसएसोफैजियल इकोकार्डियोग्राफी, और जन्मजात हृदय रोगों के लिए डिवाइस क्लोजर शामिल हैं।डॉ. गेरा ने 1994 में दिल्ली विश्वविद्यालय से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की, इसके बाद 2000 में डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईएमईआर) से मेडिसिन में एमडी की डिग्री हासिल की।2009 में उन्होंने फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली से कार्डियोलॉजी में डीएनबी पूरा किया।उन्होंने यूरोपियन सोसायटी ऑफ

कार्डियोलॉजी से कार्डियोलॉजी में फेलो. शिप और सोसायटी फॉर कार्डियोवैस्कुलर एंजियोग्राफी एंड इंटरवेंशन (एफएससीएआई) से फेलोशिप भी प्राप्त की।उन्होंने रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन, यूके से क्लिनिकल एंडोक्रा. इनोलॉजी और डायबिटीज में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा हासिल कियाडॉ. गेरा ने 2017 में बोस्टन साइंटिफिक, एनडी से इमेजिंग आईवीयूएस फेलोशिप और सेमे. ल्विस हार्ट सेंटर, बुडापेस्ट, हंगरी से सीआरटी–डीधडिवाइस फेलोशिप भी अर्जित की।वह अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं और कार्डियोलॉजी से संबंधित कई कार्यशालाओं में भाग लिया है।उन्होंने कई शोध पत्र लिखे हैं और कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें कई पुरस्कार मिले हैं डॉ. गेरा दिल्ली मेडिकल काउंसिल और अन्य पेशेवर संगठनों के सक्रिय सदस्य हैं। साथ ही कुलदीप सिंह एमडी परामर्श शेखर सर्राफ हॉस्पिटल,अलीगढ़ द्वारा बदलते हुए मौसम पर किस प्रकार सावधानी बरती जाएं बताया जायेगा एवं परामर्श भी दिया जायेगा। शिविर में रेंडम ब्लांड शुगर,ब्लड प्रेशर , ईसीजी, ब्लड ग्रुप की जांच के साथ मरीजों को निरूशुल्क दवाइयां भी प्रदान की जाएंगी तथा शेखर सर्राफ मेमोरियल हॉस्पिटल द्वारा मरीजों को सुविधा के लिए रियायती दरों पर विशेष सुविधा कार्ड भी प्रदान किया जायेगा।

अमित शाह ने अंबेडकर के मुद्दे पर विपक्ष को कैसे दे दिया बड़ा मौका?

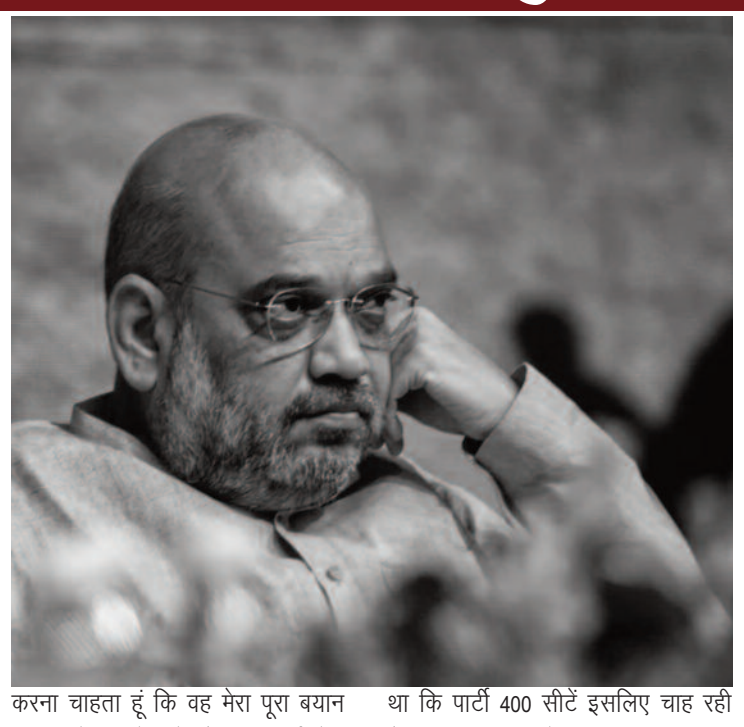

नई दिल्लीरू अंबेडकर के मुद्दे पर संसद में सियासत तेज हो गई है. आज संसद में शीतकालीन सत्र का आखिरी दिन है, इसके बाद विपक्ष श्अंबेडकरश के मुद्दे पर सड़क पर भी नजर आ सकता है. आज भी विपक्षी दल विजय चौक से संसद तक पैदल मार्च निकालकर अपना विरोध दर्ज करवाने वाले हैं. इंडिया गठबंधन द्वारा एक बार फिर लोकसभा चुनाव जैसा माहौल बनाने की कोशिश हो रही है. दूसरी ओर, भाजपा को इसकी चिंता है कि जैसे लोकसभा चुनाव में दलित वोटर छिटका, कहीं वैसे ही राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में भी न छिटक जाए.सोशल मीडिया पर गृह मंत्री अमित शाह की एक 12 सेकेंड की क्लिप वायरल है. करीब–करीब सभी विपक्षी दलों ने इस क्लिप को शेयर करते हुए अमित शाह पर निशाना साधा है. इसमें शाह कह रहे हैं– श्अभी एक फैशन हो गया है. अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर... इतना नाम भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता.श अब विपक्ष का कहना है कि शाह को अंबेडकर के नाम से दिक्कत क्यों हैं. विपक्ष ने इस बयान के लिए शाह से माफी मांगने और गृह मंत्री के पद से इस्तीफा देने की मांग की है.शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, डिफेंसिव नजर आए अमित शाह ने इस मुद्दे पर अपना पक्ष रखते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस की. ये पहली बार था जब शाह अपने द्वारा दिए गए किसी बयान पर स्पष्टीकरण देने के लिए मीडिया के सामने आए. वह आक्रामक राजनीति करने वाले नेता हैं, आमतौर पर विपक्ष पर हमला बोलने के लिए ही प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हैं. शाह ने कहा– श्कल से कांग्रेस ने जिस प्रकार तथ्यों को तोड़–मरोड़ कर रखने का प्रयास किया है. ये निंदनीय है. मैं इसकी निंदा करना चाहता हूं. मैं मीडिया से भी अनुरोध

करना चाहता हूं कि वह मेरा पूरा बयान जनता के सामने रखें, मैं उस पार्टी से हूं जो कभी अंबेडकर जी का अपमान नहीं कर सकती. लंबे समय बाद शाह अपने द्वारा कही गई किसी बात पर डिफेंसिव नजर आए.पिछली गलतियों से नहीं लिया सबक पहला वाकया 2015 में चीफ मोहन भागवत के एक बयान से भी मुश्किलें खड़ी हो गई थीं. भागवत ने कहा था– श्आरक्षण पर राजनीति हो रही है और इसका दुरुपयोग किया जा रहा है. इसे देखते हुए आरक्षण पर फिर से विचार करने की जरूरत है. इसके लिए एक कमेटी बने जो तय करे कि कितने लोगों को कितने समय तक आरक्षण मिलना चाहिए.श तब बिहार विधानसभा के चुनाव थे, लालू यादव ने इस मुद्दे को लपक लिया और प्रचारित किया कि भाजपा आरक्षण के खिलाफ है. नतीजतन, 2014 में भारी बहुमत से केंद्र में सरकार बनाने वाली भाजपा महज एक साल बाद बिहार में चुनाव हार गई. दूसरा वाकयारू लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा के कुछ नेताओं ने कह दिया था कि पार्टी 400 सीटें इसलिए चाह रही है, ताकि संविधान में बदलाव किया जा सके. इनमें नागौर से भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनंतकुमार हेगड़े का बयान भी शामिल है. विपक्ष ने प्रचारित किया कि भाजपा 400 सीटें लाकर आरक्षण हटाना चाहती है. 400 पार का नारा बैकफायर हुआ और भाजपा को इससे नुकसान हुआ. लोकसभा 84 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं. भाजपा महज 30 सीटें जीत पाई. 2019 में भाजपा ने 46 सीटें जीती थीं. कांग्रेस 6 से बढ़कर 20 सीटें जीत गई.भाजपा की कमजोर नब्ज दो बार भाजपा के लिए दलित वोटर्स ने मुश्किलें खड़ी की, लेकिन फिर भी पार्टी इसका समाधान नहीं निकाल पा रही. भाजपा के सबसे कद्दावर नेता और सियासत के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह भी इस श्चक्रव्यूहश फंस गए. इंडिया ब्लॉक के हाथ भाजपा की कम. जोर नब्ज लग गई. अब यही सियासी दांव इंडिया ब्लॉक आगामी विधानसभा चुनाव में भी चलेगा.

सहयोग संग सावधानी

भारत और चीन के बीच बुधवार को हुई विशेष प्रतिनिधियों की बातचीत में बनी सहमति इस बात का ठोस संकेत है कि दोनों देशों के रिश्तों में पिछले चार साल से आया ठहराव धीरे–धीरे दूर हो रहा है। हालांकि यह प्रक्रिया अभी शुरुआती चरण में है और इससे जुड़े कई किंतु–परंतु कायम हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर बैठक के दौरान हुई मुलाकात के बाद से मतभेद दूर करने की प्रक्रिया में जो तेजी आई, उसका असर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (स-।ब) पर बने माहौल पर भी दिखा। पांच साल के अंतराल पर हुई विशेष प्रतिनिधियों की बैठक में सहमतियों पर अमल की तो पुष्टि हुई ही, यह संकेत भी मिला कि अब दोनों पक्ष इससे आगे बढ़ने को तैयार हैं। बॉर्डर ट्रेड, ट्रांस बॉर्डर नदियों पर डेटा शेयरिंग और मानसरोवर यात्रा की संभावनाएं वाकई उत्साह बढ़ाने वाली हैं।सहयोग पर जोर रू जैसे–जैसे सीमा संबंधी मसलों पर सहमति बन रही है और वहां माहौल सामान्य होने की तरफ बढ़ रहा है, दोनों देशों के रुख में सहयोग पर जोर भी बढ़ता जा रहा है। ध्यान रहे, चीन का काफी समय से आग्रह रहा है कि स-।ब से जुड़े मसलों को एक तरफ करके सहयोग बढ़ाया जाए, लेकिन भारत अपने इस रुख पर अडिग रहा कि जब तक स-।ब पर हालात सामान्य नहीं होते, रिश्ते सामान्य नहीं हो सकते। ऐसे में यह गौर करने वाली बात है कि अब भारत की तरफ से भी सहयोग का दायरा बढ़ाने की संभावना पर पॉजिटिव रुख दर्शाया जा रहा है।बयानों में अंतर रू इस बात को भी कुछ हलकों में रेखांकित किया गया है कि संबंधों में सुधार और बातचीत में प्रगति को व्यक्त करने के दोनों पक्षों के तरीकों में पूरी तरह समानता नहीं है। मिसाल के तौर पर, बातचीत के बाद दोनों तरफ से जो अलग–अलग बयान जारी किए गए, उनमें अंतर है। जहां चीन के बयान में स्पष्ट शब्दों में सर्वसम्मति के छह बिंदु गिनाए गए हैं, वहीं भारत के बयान में इन्हें सर्वसम्मति करार देने से बचा गया है।स-।ब पर निर्माण रू अमेरिकी रक्षा मंत्रालय की ओर से बुधवार को ही जारी पेंटागन की सालाना रिपोर्ट की यह बात भी गौर करने लायक है कि चीन ने न तो गलवान घाटी में जून 2020 को हुई सैन्य झड़प के बाद इस क्षेत्र में बढ़ाई गई सैन्य तैनाती में कोई कमी की है और न ही टैंकों, मिसाइलों व अन्य भारी हथियारों की संख्या में कोई कटौती की है। हालांकि अभी उस इलाके से सैन्य वापसी की प्रक्रिया शुरू होनी बाकी है, लेकिन फिर भी चीन के पिछले रेकॉर्ड को देखते हुए सतर्क रहने की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता।

चर्चा की खोज में तपोवन

कारवां आया मेरे घर तक मगर, बताया गया कि यहीं तक था सफर। अपनी बाउंड्री पर चौके–छक्के मारती हिमाचल की राजनीति के सामने शीतकालीन सत्र की अहमियत सिर्फ कौए की कांव–कावं सरीखी है। यानी सूचनाएं बहुत हैं, लेकिन मुंह पर पट्टी बांधे सवाल मौन हैं। पहले दिन के घटनाक्रम की खोज में तपोवन के बजाय जोरावर सिंह स्टेडियम की ताल पर विपक्ष के आरोप खूब नाचे। यह शक्ति प्रदर्शन था या सरकार के दो साल के सफर का विरोध, कम से कम विपक्ष सदन में तो नहीं था और जो थे, उन्हें प्रश्न काल नहीं मिला। कहां तो शून्य काल को प्रतीक्षारत ध्वनियां आकाशीय अपेक्षाएं कर रही थीं और कहां कट गए प्रश्न इस इंतजार में। सरकार को सदन चलाना था, इसलिए कई महत्त्वाकांक्षी कानूनों में बदलाव की अर्जियां मुकम्मल होती गईं और एक साथ विधेयक पेश हो गए। इन बदलावों में सरकार के बर्ताव में कुछ किफायतें, कुछ सुधार और कुछ वक्त का तकाजा इस्तेमाल किया गया। भर्ती नियमों से अधिकृत कर्मचारी वर्ग की खुली बाहों में वित्तीय अनुशासन का हल्का सा टीका लग रहा है, ताकि कल कोई जिरह पेश हो तो फैसले की जद में केवल नियमित होने की तारीख ही परिभाषित की जा सके। यह इसलिए भी कि हिमाचल में भर्ती नियमों में इतने छेद हैं कि कानूनी पैरवी में सरकारों के हाथ पांव फूल जाते हैं और जब निर्णय आता है तो बजट में उधार का संदूक और खुल जाता है। जनता के दबाव और राधा स्वामी सत्संग ब्यास के भोटा अस्पताल के प्रभाव में लैंड सीलिंग एक्ट की दीवारों को थोड़ा पीछे हटाने की जरूरत ने लैंड सीलिंग एक्ट का नया सीमांकन करने का रास्ता खोजा है। देखना यह है कि यह रहम, मरहम या वहम है कि इसके बाद इस स्तर की नौबत नहीं आएगी या कानून की सीमाओं के भीतर आगे भगदड़ नहीं होगी। सरकारी नौकरी में कामकाज की लाज को पुख्ता करने के लिए आइंदा पब्लिक सर्वेंट की वांछित अरेस्ट से पहले सरकार से ताकीद करनी होगी। कोई भी एजेंसी सीधे हाथ नहीं डाल पाएगी। बहुत शिकायतें करते हैं और सतर्कता विभाग के सबूत अकसर किसी रिश्वत के आरोप पर गर्दन तक पहुंच जाते हैं। सरकारी महकमों की मिट्टी कुरेदती शिकायतें अकसर इतनी पैनी होती हैं कि पब्लिक सर्वेंट को अब सरकार की अनुमति की कुछ तो ढाल मिलेगी। प्रशासनिक सुधारों की दृष्टि से पुलिस एक्ट में बदलाव आने से कांस्टेबल कॉडर अब राज्य स्तरीय नियुक्तियों का पैमाना होगा। कानून व्यवस्था में राज्य कॉडर का अपना एक खास आयाम है और तमाम कैटेगिरी में ऐसी व्यवस्था की जरूरत महसूस की जाती है। बहरहाल सरकार को अपने विधेयक पेश करने की सदन में सहूलियत मिली तो बाहर विपक्ष को अपनी आक्रोश रैली में गूंजने का मौका मिला, लेकिन इन दोनों घटनाक्रमों के बीच जनता के सवाल दूर–दूर से तपोवन तक पहुंच कर भी शिद्दत से दस्तक नहीं दे सके। यहां विपक्ष का काम रोको प्रस्ताव स्वीकार हुआ तो भ्रष्टाचार के आरोपों पर सबूत मांगने की कुश्ती ने इसे पटकनी लगा दी। जाहिर तौर पर विपक्ष सदन के भीतर जिन आरोपों के बलबूते बड़ी बहस करना चाहता था, उसके लिए उसे जोरावर स्टेडियम की मिट्टी काम आ गई। यहां एक मुकाबला नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के बीच भी सदन के बाहर देखा जा सकता है। जयराम ठाकुर ने सरकार की मंशा, काबिलीयत और कार्यपद्धति पर कड़े सवाल दागे हैं, तो जोरावर स्टेडियम में जारदार नारों के बीच 'कांगड़ा पूछता है' का सवाल उभर आया। वहां समोसा उभरा तो मुर्गा भी बांग देने लगा। वहां राज्यसभा चुनाव तक भाजपा पहुंची तो उसकी झोली में हर्ष महाजन की सीट उछल पड़ी और उछली लोकसभा की चारों सीटें, जिनके मलाल में मुख्य संसदीय सचिवों के पद भी कानूनी हार के कोपभवन में पहुंच गए। विपक्ष की आक्रोश रैली के गंतव्य तक क्या हिमाचल पहुंचा और क्या सदन के मंतव्य तक राज्य पहुंचा। पहुंचता भी तो कैसे क्योंकि जिन प्रश्नों की मशाल उठाए हर हिमाचली को लोकतंत्र से आशा है, वह अब सदन की गरिमा को अपने लाग लपेट की भाषा में छुपाने लगा है। देखें हमारी आशा के दीप तपोवन में जले रहते हैं या आपसी द्वंद्व में सत्ता और विपक्ष की फुफकार में इन रास्तों की रोशनी ही बुझती रहती है।

संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक

भारत की आर्थिक क्षमता आंशिक रूप से साकार हुई है, फिर भी कम श्रम भागीदारी और सामाजिक–राजनीतिक जटिलताओं जैसी चुनौतियों से बाधित है। हालांकि चुनौतियों के बीच वैश्वीकरण की समुत्थानशीलता में भारत की यात्रा लगातार प्रगति की ओर अग्रसर है। वैश्वीकरण की शुरुआत ने भारतीय समाज को बड़े पैमाने पर बदल दिया। बाजार पूंजीकरण के मामले में भारत दुनिया में चौथा सबसे बड़ा बाजार बनकर उभरा है। वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था एक दूसरे से जुड़ गए। वैश्वीकरण ने भारत की अर्थव्यवस्था, समाज और सांस्कृतिक पहचान पर कई तरह से प्रभाव डाला है। व्यापार और निवेश के नए अवसर सामने आए हैं। इससे आर्थिक विकास हुआ है। भारत के उद्योगों का विस्तार हुआ है। रोजगार के अवसर बढ़े हैं। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि हुई है। प्रौद्योगिकी में उन्नति हुई है। भारत विश्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट–अप हब बन गया। वैश्वीकरण ने भारत को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से अपने रक्षा क्षेत्र को आधुनिक बनाने और अपनी सामरिक स्थिति को बढ़ाने में सक्षम बनाया है। भारत 100 स्मार्ट शहरों का विकास कर रहा है। भारत की संस्कृति में दूसरे समाजों और उनके मानदंडों का असर दिखने लगा। अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां भारतीय बाजार में निवेश करने लगीं। वैश्वीकरण ने धन के संकेंद्रण को तीव्र कर दिया है, जिससे शहरी अभिजात वर्ग को लाभ हुआ है, परंतु ग्रामीण और सीमांत आबादी पीछे रह गई है। गौरतलब है कि स्वतंत्रता के दौरान दो प्रतिशत से वर्ष 2023 में 7.93 प्रतिशत तक अपनी वैश्विक आर्थिक हिस्सेदारी बढ़ाने के बावजूद, वैश्विक अर्थव्यवस्था में देश का भविष्य अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक एकीकरण के साथ आत्मनिर्भरता के संतुलन पर टिका हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुमान के अनुसार, प्रति व्यक्ति आय 2,730 डॉलर तक पहुंचने में 75 वर्ष लग गए, जबकि इसमें 2,000 डॉलर और जोड़ने में केवल पांच वर्ष लगेंगे। यानी कि वैश्वीकरण को एक ऐसे मार्ग पर अग्रसर किया जा सकता है, जो न सिर्फ समावेशी विकास व सामाजिक बराबरी को प्रमुखता देते हुए तालमेल स्थापित करने वाला हो, बल्कि टिकाऊ पर्यावरण को भी प्राथमिकता दे। भारत का भविष्य गहन आर्थिक एकीकरण के साथ आत्मनिर्भरता के संतुलन पर निर्भर है। इसलिए भारत को घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना चाहिए, समुत्थानशील आपूर्ति शृंखलाओं की स्थापना की जानी चाहिए, अनुसंधान एवं विकास में निवेश करना चाहिए।भारत पहले से ही वैश्विक एकीकरण का लाभ उठाने के लिए कौशल विकास पर ध्यान दे रहा है। वैश्वीकृत विश्व में भारत की पूरी क्षमता को उजागर करने के लिए रणनीतिक स्वायत्तता और घरेलू विकास को प्राथमिकता देने वाला एक संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है।

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला ब्यूरो चीफमंडल ब्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें -
अमित कुमार वर्मा -संम्पादक
मोः-8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक-अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा